HINDI MILAP 16 OCT 2024

उच्च शिक्षा के लिए मानू विकसित करेगा उर्दू पाठ्य पुस्तकें

हैदराबाद, 15 अक्तूबर-(मिलाप ब्यूरो) मौलाना आजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय द्वारा आज उर्दू भाषा में उच्च शिक्षा के लिए पाठ्य पुस्तकें विकसित करने का काम औपचारिक रूप से शुरू किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पहल भारतीय भाषा समिति (बीबीएस) ने मानू को यह कार्य सौंपा है।

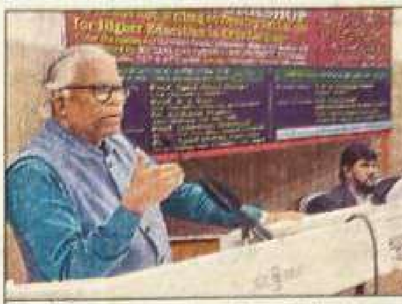

मानू में अकादमिक लेखकों के लिए आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते यूओएच कुलपति प्रो. बी.जे. राव।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उक्त संदर्भ में मानू अकादमिक लेखन पर लेखकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर रहा है। कार्यशाला में देश के विभिन्न भागों से लगभग साठ लेखक भाग ले रहे हैं। आज इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.जे. राव ने उर्दू को ज्ञान की भाषा के रूप में बढ़ावा देने में मानू द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने उर्दू को मधुर भाषा बताते हुए मानू द्वारा किए गए मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों और एआईसीटीई से इंजीनियरिंग पाठ्य पुस्तकों के अनुवाद की लोकप्रियता का भी उल्लेख किया। मानू के कुलपति तथा बीबीएस उर्दू के नोडल अधिकारी प्रो. सैयद ऐनुल हसन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में लेखकों को छात्रों को आकर्षित करने के लिए प्रत्यक्ष दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सुलेमान ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय के प्रारंभिक चरणों के दौरान उर्दू में शैक्षणिक सामग्री तैयार करने के लिए किए गए प्रयोगों और विचार-विमर्श पर प्रकाश डाला। उन्होंने उर्दू, अंग्रेजी और संबंधित विषय को जानने वाले लेखकों का एक समूह तैयार करने का भी सुझाव दिया। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के भाषा विज्ञान विभाग के प्रो. इम्तियाज हसनैन ने अपने संबोधन में कहा कि यूजीसी ने नई शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में यह पहल की है। नई शिक्षा नीति मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने पर जोर देती है। उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि इस नीति ने भारतीय समाज के बहुभाषावाद को औपचारिक रूप से मान्यता दी है।

इसके पूर्व डीटीटीएलपी के निदेशक तथा बीबीएस उर्दू के समन्वयक प्रो. एमकेएम जाफर ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय भाषाओं में पाठ्य पुस्तकें तैयार करने की पहल को उर्दू माध्यम के छात्रों के लिए वरदान बताया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय की पत्रिका अल कलाम का विशेष अंक भी जारी किया गया। पत्रिका संपादक, पीआरओ तथा एमसीजे के असोसिएट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद मुस्तफा अली सरवरी ने इस अंक की विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र के दौरान डीटीटीएलपी की गतिविधियों और उपलब्धियों पर आधारित लघु वीडियो फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। अवसर पर प्रो. बी.जे. राव द्वारा सेंटर फॉर डेक्कन स्टडीज स्थित डीटीटीएलपी में बीबीएस उर्दू के कार्यालय का उद्घाटन भी किया गया।

Eenadu

ఉర్దూలో పాఠ్యపుస్తకాల రూపకల్పనకు శ్రీకారం

- ఉర్దూ వర్సిటీకి బాధ్యతలు అప్పగించిన యూజీసీ

మాట్లాడుతున్న ప్రొ. బీజే రావు

గచ్చిబౌలి, న్యూస్‌టుడే: ఉర్దూ భాషలో పాఠ్యపుస్తకాల రూపకల్పన చేసే పనులకు గచ్చిబౌలిలోని మౌలానా ఆజాద్ నేషనల్ ఉర్దూ యూనివర్సిటీ శ్రీకారం చుట్టింది. యూనివర్సిటీ (గ్రాంట్స్) కమిషన్‌కు చెందిన భారతీయ భాషా సమితి (బీబీఎస్) ఉర్దూ ప్రాజెక్ట్‌ను వర్సిటీకి అప్పగించింది. ఇందులో భాగంగా మంగళవారం క్యాంపస్‌లో వివిధ నగరాల నుంచి విచ్చేసిన 60 మంది పుస్తక రచయితలతో కార్యశాల ఏర్పాటుచేశారు. హైదరాబాద్ కేంద్రీయ విశ్వవిద్యాలయ వైస్‌ఛాన్స్‌లర్ ప్రొఫెసర్ బీజే రావు ముఖ్యఅతిథిగా విచ్చేసి కార్యశాలను ప్రారంభించి మాట్లాడారు. జ్ఞానంతో కూడిన భాషగా ఉర్దూను అభివృద్ధి చేసేందుకు మౌలానా ఆజాద్ విశ్వవిద్యాలయం కృషి అభినందనీయమన్నారు. ఇంజినీరింగ్ పాఠ్యపుస్తకాలను ఉర్దూ భాషలోకి అనువాదం చేయడంలో వర్సిటీ కీలక పాత్ర పోషించిందని చెప్పారు. ఉర్దూ మధురమైన భాష అని, మాతృభాషలో ఉన్నత విద్యను అభ్యసించే వారి కోసం పాఠ్యపుస్తకాలు తయారు చేసేందుకు వివిధ భాషల రచయితలు కలిసి పనిచేయాలని సూచించారు. కార్యక్రమంలో ఉర్దూ యూనివర్సిటీ వీసీ ప్రొఫెసర్ సయ్యద్ ఐనుల్ హసన్, ఉస్మానియా వర్సిటీ మాజీ వీసీ ప్రొఫెసర్ సులేమాన్ సిద్ధికి, ప్రొఫెసర్లు ఇంతియాజ్ హస్నైన్, ఎం.కె.ఎం. జాఫర్, డా. ముస్తఫా అలీ తదితరులు పాల్గొన్నారు.

2
روزنامہ راشٹریہ سہارا
حیدرآباد۔16/اکتوبر،2024،چہارشنبہ
CHARM
www.roznama
HYDERABAD : Wedn

اردو میں نصابی کتب کی تیاری، مانو کی ایک تاریخی پیش رفت

بھارتیہ بھاشا سمیتی کے تحت مصنفین کے دوروزہ ورکشاپ کا افتتاح۔ پروفیسر بی جے راؤ و دیگر کا خطاب

حیدرآباد، 15/اکتوبر۔(ایس این بی) مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی، آل انڈیا کونسل آف ٹیکنیکل ایجوکیشن (اے آئی سی ٹی ای) کیلئے اردو میں انجینئرنگ کی کتابوں کی تیاری کے ذریعے ہندوستان میں ایک تاریخ رقم کررہی ہے۔ ان خیالات کا اظہار پروفیسر بی جے راؤ، وائس چانسلر، حیدرآباد، سنٹرل یونیورسٹی نے کیا۔ وہ آج اردو یونیورسٹی میں یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کی شروع کردہ بھارتیہ بھاشا سمیتی' (بی بی ایس) کے تحت اعلیٰ تعلیم کے شعبے میں اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کے افتتاحی اجلاس میں بحیثیت مہمان خصوصی موجود تھے۔ جبکہ اس پروگرام کی صدارت پروفیسر سید عین الحسن، وائس چانسلر، اردو یونیورسٹی نے کی۔ پروفیسر سلیمان صدیقی، سابق وائس چانسلر، عثمانیہ یونیورسٹی اور پروفیسر سید امتیاز حسنین (اے ایم یو) نے مہمانانِ اعزازی کی حیثیت سے شرکت کی۔ پروفیسر محمد خالد مبشر الظفر' ڈائرکٹر' نظامت ترجمہ' مطالعات ترجمہ' لغت نویسی' اشاعت نے جو بی بی ایس کے اردو کو آرڈی نیٹر بھی ہیں' مہمانوں کا استقبال کیا۔ یو جی سی نے بی بی ایس کے تحت اردو نصابی کتب کی تیاری کیلئے مانو کو نوڈل یونیورسٹی مقرر کیا ہے' پروفیسر سید عین الحسن اس پراجیکٹ کے نوڈل آفیسر ہیں۔ پروفیسر راؤ جو کہ حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر کے علاوہ بھارتیہ بھاشا سمیتی کے رکن بھی ہیں نے سلسلہ تقریر جاری رکھتے ہوئے کہا کہ نصابی کتابوں کی تیاری آسان کام نہیں ہے لیکن یہ مصنف کی ذمہ داری ہے کہ وہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی پیدا کرے۔ روایتی سائنسی علوم کی کتابوں کی تیاری کے ذریعہ اردو یونیورسٹی، اقلیتی طلبہ کے لیے ایک کار خیر انجام دے سکتی ہے۔ کیونکہ یہ طلبہ صدیوں سے ان علوم سے محروم رہے ہیں۔ انگریزی زبان میں طلبہ کی ذہن سازی مشکل ہے، کیونکہ مادر رحم میں انسانی فکر کا آغاز مادری زبان ہی میں ہوتا ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے اپنی صدارتی تقریر میں مصنفین کو مشورہ دیا کہ وہ راست طریقہ کار اختیار

کرتے ہوئے پیچیدگی سے گریز کریں۔ کتاب پڑھنے والے کو یہ محسوس ہو کہ کتاب اسی کے لیے لکھی گئی ہے۔ علم کی منتقلی ناگزیر امر ہے۔ قبل ازیں مانو کے اولین رجسٹرار پروفیسر سلیمان صدیقی نے افتتاحی اجلاس سے خطاب کرتے ہوئے اکتسابی مواد کی تیاری کے لیے اردو یونیورسٹی میں کیے گئے ابتدائی تجربات پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے نصابی کتابوں کی تیاری کے لیے اساتذہ کے ناموں کی فہرست تیار کرنے کا مشورہ دیا اور کہا کہ انگریزی، اردو اور متعلقہ مضمون میں مہارت کا ایک ساتھ ملنا مشکل ہے۔ پروفیسر سلیمان صدیقی نے کہا کہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی کو برقرار رکھنے کے لیے حقیقی مواد کا اعلیٰ معیار اور عمدہ اسلوب ضروری ہے۔ پروفیسر امتیاز حسنین (شعبہ لسانیات' علی گڑھ مسلم یونیورسٹی) نے نشاندہی کی کہ یونیورسٹی گرانٹس کمیشن نے نئی قومی تعلیمی پالیسی 2020 کے تحت بی بی ایس کا قیام عمل میں لاتے ہوئے 22 ہندوستانی زبانوں میں اعلیٰ تعلیمی مواد کی تیاری کا کام شروع کیا ہے۔ پروفیسر خالد مبشر الظفر نے اپنے خطبہ استقبالیہ میں اردو کو علمی زبان بنانے حکومت ہند کے اقدام کا خیر مقدم کیا اور کہا کہ تعلیمی دنیا میں اردو کے لیے یہ ایک نئی پہل ہے۔ ڈی ٹی ٹی ایل پی کے ڈاکٹر محمد اسلم پرویز (مترجم) نے کارروائی چلائی اور ڈاکٹر ظفر گلزار (سیکشن آفیسر) نے شکریہ ادا کیا۔ ڈاکٹر صالح امین کی تلاوت سے افتتاحی اجلاس کا آغاز ہوا۔ دوروزہ ورکشاپ میں ملک کے مختلف حصوں سے تقریباً 60 مصنفین شریک ہیں۔ اس موقع پر یونیورسٹی میگزین الکلام کے خصوصی شمارہ کا رسم اجرا بھی عمل میں آیا۔ ڈاکٹر محمد مصطفیٰ علی سروری' پی آر او و اسوی ایٹ پروفیسر ایم سی جے و مدیر الکلام نے خصوصی شمارے کے بارے میں اظہار خیال کیا۔ افتتاحی اجلاس کے دوران ڈی ٹی ٹی ایل پی کی کارکردگی اور کامیابیوں پر مشتمل ایک مختصر ویڈیو کی بھی نمائش کی گئی۔ بعد ازاں پروفیسر بی جے راؤ نے پروفیسر عین الحسن کے ہمراہ ہارون خان شیروانی مرکز مطالعات دکن کی پہلی منزل پر واقع ڈی ٹی ٹی ایل پی کے احاطہ میں بی بی ایس (اردو) کے دفتر کا افتتاح انجام دیا۔

---

16 OCT 2024

Sakshi
సాక్షి
హైదరాబాద్, బుధవారం, 16, అక్టోబర్, 2024

'ఉర్దూ' మధురమైన భాష

- హెచ్‌సీయూ వీసీ ప్రొఫెసర్ బీజేరావు
- 'మనూ'లో బీబీఎస్ ఉర్దూ ప్రాజెక్ట్ ప్రారంభం

మ్యాగజైన్ అల్-కలామ్‌ను ఆవిష్కరించిన వీసీలు ప్రొ.బీజేరావు, ప్రొ.సయ్యద్ ఐనుల్ హసన్

రాయదుర్గం: 'ఉర్దూ' మధురమైన భాష అని హైదరాబాద్ సెంట్రల్ యూనివర్సిటీ వైస్‌చాన్సలర్ ప్రొఫెసర్ బీజేరావు అభివర్ణించారు. యూనివర్సిటీ గ్రాంట్స్ కమిషన్(యూజీసీ), భారతీయ భాషా సమితి (బీబీఎస్) సంయుక్త ఆధ్వర్యంలో మనూలో బీబీఎస్ ఉర్దూ ప్రాజెక్టును ఆయన వీసీ ప్రొఫెసర్ సయ్యద్ ఐనుల్ హసన్‌తో కలిసి మంగళవారం ప్రారంభించారు. ఈ సందర్భంగా ఉర్దూ రచయితల సమావేశంలో ఆయన ముఖ్య అతిథిగా పాల్గొన్నారు. 'మనూ వీసీ, బీబీఎస్ నోడల్ అధికారి ప్రొఫెసర్ సయ్యద్ ఐనుల్ హసన్ మాట్లాడుతూ విద్యార్థులను ఆకర్షించడానికి ప్రత్యక్ష విధానాన్ని అవలంబించాలని రచయితలకు ఆయన సూచించారు. ఏఎంయూ భాషాశాస్త్ర విభాగం ప్రొఫెసర్ ఇంతియాజ్ మాట్లాడుతూ ఎన్ఈపీ మాతృభాషలో విద్యను అందించడంలో ప్రాధాన్యత ఇస్తుందన్నారు.

బీబీఎస్ ఉర్దూ కార్యాలయంను ప్రారంభించిన వీసీ బీజేరావు

ఉర్దూ విశ్వవిద్యాలయం క్యాంపస్‌లోని డెక్కన్ స్టడీస్ సెంటర్ ప్రాంగణంలో నూతనంగా ఏర్పాటు చేసిన బీబీఎస్ ఉర్దూ కార్యాలయాన్ని హెచ్‌సీయూ వైస్‌చాన్సలర్ ప్రొఫెసర్ బీజేరావు ప్రారంభించారు. అనంతరం యూనివర్సిటీ మ్యాగజైన్ 'అల్-కలామ్' ప్రత్యేక సంచికను కూడా విడుదల చేశారు. డీటీటీఎల్‌పీ కార్యకలాపాలు, విజయాలపై షార్ట్ వీడియోను ప్రదర్శించారు. కార్యక్రమానికి దేశం నలుమూలల నుంచి 60 మంది ఉర్దూ రచయితలు పాల్గొన్నారు.

اعتماد
16 OCT 2024

اردو میں نصابی کتب کی تیاری، مانو کی ایک تاریخی پیش رفت: پروفیسر بی جے راؤ

بھارتیہ بھاشا سمیتی کے تحت مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کا افتتاح

حیدرآباد، 15/اکتوبر (راست) مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی، آل انڈیا کونسل آف ٹیکنیکل ایجوکیشن کے لیے اردو میں انجینئرنگ کی کتابوں کی تیاری کے ذریعے ہندوستان میں ایک تاریخ رقم کر رہی ہے۔ ان خیالات کا اظہار پروفیسر بی جے راؤ، وائس چانسلر، حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی نے کیا۔ وہ آج اردو یونیورسٹی میں یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کی شروع کردہ بھارتیہ بھاشا سمیتی (بی بی ایس) کے تحت اعلیٰ تعلیم کے شعبے میں اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کے افتتاحی اجلاس میں بحیثیت مہمان خصوصی موجود تھے۔ جبکہ اس پروگرام کی صدارت پروفیسر سید عین الحسن، وائس چانسلر، اردو یونیورسٹی نے کی۔ پروفیسر سلیمان صدیقی، سابق وائس چانسلر، عثمانیہ یونیورسٹی اور پروفیسر سید امتیاز حسنین نے مہمانانِ اعزازی کی حیثیت سے شرکت کی۔ پروفیسر محمد خالد مبشر الظفر، ڈائرکٹر نظامت ترجمہ، مطالعات ترجمہ، لغت نویسی و اشاعت نے جو بی بی ایس کے اردو کو آرڈی نیٹر بھی ہیں مہمانوں کا استقبال کیا۔ یو جی سی نے بی بی ایس کے تحت اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مانو کو نوڈل یونیورسٹی مقرر کیا ہے۔ پروفیسر سید عین الحسن اس پراجیکٹ کے نوڈل آفیسر ہیں۔ پروفیسر راؤ جو کہ حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر کے علاوہ بھارتیہ بھاشا سمیتی کے رکن بھی ہیں نے سلسلہ تقریر جاری رکھتے ہوئے کہا کہ نصابی کتابوں کی تیاری آسان کام نہیں ہے لیکن یہ مصنف کی ذمہ داری ہے کہ وہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی پیدا کرے۔ انہوں نے کہا کہ روایتی سائنسی علوم کی کتابوں کی تیاری کے ذریعہ اردو یونیورسٹی، اقلیتی طلبہ کے لیے ایک کارِ خیر انجام دے سکتی ہے۔ کیونکہ یہ طلبہ صدیوں سے ان علوم سے محروم رہے ہیں۔ انگریزی زبان میں طلبہ کی ذہن سازی مشکل ہے، کیونکہ مادرِ رحم میں انسانی فکر کا آغاز مادری زبان ہی میں ہوتا ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے اپنی صدارتی تقریر میں مصنفین کو مشورہ دیا کہ وہ راست طریقہ کار اختیار کرتے ہوئے پیچیدگی سے گریز کریں۔ کتاب پڑھنے والے کو یہ محسوس ہو کہ کتاب اسی کے لیے لکھی گئی ہے۔ علم کی تشنگی ناگزیر امر ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے جو ایک کہنہ مشق شاعر بھی ہیں۔ قبل ازیں مانو کے اولین رجسٹرار پروفیسر سلیمان صدیقی نے افتتاحی اجلاس سے خطاب کرتے ہوئے اکتسابی مواد کی تیاری کے لیے اردو یونیورسٹی میں کیے گئے ابتدائی تجربات پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے نصابی کتابوں کی تیاری کے لیے اساتذہ کے ناموں کی فہرست تیار کرنے کا مشورہ دیا اور کہا کہ انگریزی، اردو اور متعلقہ مضمون میں مہارت کا ایک ساتھ ملنا مشکل ہے۔ پروفیسر سلیمان صدیقی نے کہا کہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی کو برقرار رکھنے کے لیے حقیقی مواد کا اعلیٰ معیار اور عمدہ اسلوب ضروری ہے۔ پروفیسر امتیاز حسنین (شعبہ لسانیات علی گڑھ مسلم یونیورسٹی) نے نشاندہی کی کہ یونیورسٹی گرانٹس کمیشن نے نئی قومی تعلیمی پالیسی 2020 کے تحت بی بی ایس کا قیام عمل میں لاتے ہوئے 22 ہندوستانی زبانوں میں اعلیٰ تعلیمی مواد کی تیاری کا کام شروع کیا ہے۔ اس پالیسی کے ذریعہ ہندوستان کی ہمہ لسانیت کو باضابطہ طور پر تسلیم کیا گیا ہے۔ انہوں نے مصنفین کو مشورہ دیا کہ مواد کی تیاری ترجمہ کی بنیاد پر نہیں بلکہ مشاہدہ اور تجربہ کی بنیاد پر کریں۔ پروفیسر خالد مبشر الظفر نے اپنے خطبۂ استقبالیہ میں اردو کو علمی زبان بنانے حکومت ہند کے اقدام کا خیر مقدم کیا اور کہا کہ تعلیمی دنیا میں اردو کے لیے یہ ایک نئی پہل ہے۔ ڈی ٹی ایل پی کے ڈاکٹر محمد اسلم پرویز (مترجم) نے کارروائی چلائی اور ڈاکٹر ظفر گلزار (سیکشن آفیسر) نے شکریہ ادا کیا۔ ڈاکٹر صالح امین کی تلاوت سے افتتاحی اجلاس کا آغاز ہوا۔ دو روزہ ورکشاپ میں ملک کے مختلف حصوں سے تقریباً 60 مصنفین شریک ہیں۔ اس موقع پر یونیورسٹی میگزین الکلام کے خصوصی شمارہ کا رسم اجرا بھی عمل میں آیا۔ ڈاکٹر محمد مصطفیٰ علی سروری پی آر او و اسوسی ایٹ پروفیسر ایم سی جے و مدیر الکلام نے خصوصی شمارے کے بارے میں اظہار خیال کیا۔ افتتاحی اجلاس کے دوران ڈی ٹی ایل پی کی کارکردگی اور کامیابیوں پر مشتمل ایک مختصر ویڈیو کی بھی نمائش کی گئی۔ بعد ازاں پروفیسر بی جے راؤ نے پروفیسر عین الحسن کے ہمراہ ہارون خان شیروانی مرکز مطالعات دکن کی پہلی منزل پر واقع ڈی ٹی ایل پی کے احاطہ میں بی بی ایس (اردو) کے دفتر کا افتتاح انجام دیا۔

Telangana Today

MANUU's Urdu textbooks for higher edu

CITY BUREAU
Hyderabad

The Maulana Azad National Urdu University (MANUU) on Tuesday commenced work to develop textbooks for higher education in Urdu language. The Bhartiya Bhasha Samiti (BBS), an initiative of UGC has assigned the task to MANUU. The central university is organising a two-day workshop for authors on academic writing to develop textbooks.

Addressing the inaugural session, UoH Vice-Chancellor Prof. BJ Rao lauded the important contribution being made by MANUU in promoting Urdu as a language of knowledge. MANUU Vice-Chancellor Prof. Syed Ainul Hasan advised the authors to adopt a direct approach to appeal to the students. Osmania University former Vice-Chancellor Prof. Suleman Siddiqui spoke about the experiments and deliberations undertaken to prepare academic material in Urdu during the formative stages of the university. He suggested that the university prepare a pool of authors knowing Urdu, English and the concerned subject.

AMU Department of Linguistics Prof. Imtiyaz Hasnain pointed out that UGC has undertaken this initiative because of National Education Policy 2020, which lays emphasis in providing education in mother tongue. NEP has formally recognised the multilingualism of Indian society, he remarked.

رہنمائے دکن 16 OCT 2024

اردو میں نصابی کتب کی تیاری، مانو کی ایک تاریخی پیشرفت: پروفیسر بی جے راؤ

بھارتیہ بھاشا سمیتی کے تحت مصنفین کے دوروزہ ورکشاپ کا افتتاح

حیدرآباد، 15/ اکتوبر (پریس نوٹ)۔ مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی، آل انڈیا کونسل آف ٹیکنیکل ایجوکیشن (اے آئی سی ٹی ای) کے لیے اردو میں انجینئرنگ کی کتابوں کی تیاری کے ذریعے ہندوستان میں ایک تاریخ رقم کر رہی ہے۔ ان خیالات کا اظہار پروفیسر بی جے راؤ، وائس چانسلر، حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی نے کیا۔ وہ آج اردو یونیورسٹی میں یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کی شروع کردہ بھارتیہ بھاشا سمیتی (بی بی ایس) کے تحت اعلیٰ تعلیم کے شعبے میں اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مصنفین کے دوروزہ ورکشاپ کے افتتاحی اجلاس میں بحیثیت مہمانِ خصوصی موجود تھے۔ جبکہ اس پروگرام کی صدارت پروفیسر سید عین الحسن، وائس چانسلر، اردو یونیورسٹی نے کی۔ پروفیسر سلیمان صدیقی، سابق وائس چانسلر، عثمانیہ یونیورسٹی اور پروفیسر سید امتیاز حسنین (اے ایم یو) نے مہمانانِ اعزازی کی حیثیت سے شرکت کی۔ پروفیسر محمد خالد مبشر الظفر، ڈائرکٹر، نظامت ترجمہ، مطالعات ترجمہ، لغت نویسی و اشاعت نے جو بی بی ایس کے اردو کوآرڈی نیٹر بھی ہیں، مہمانوں کا استقبال کیا۔ یو جی سی نے بی بی ایس کے تحت اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مانو کو نوڈل یونیورسٹی مقرر کیا ہے، پروفیسر سید عین الحسن اس پراجیکٹ کے نوڈل آفیسر ہیں۔

پروفیسر راؤ جو کہ حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر کے علاوہ بھارتیہ بھاشا سمیتی کے رکن بھی ہیں نے سلسلہ تقریر جاری رکھتے ہوئے کہا کہ نصابی کتابوں کی تیاری آسان کام نہیں ہے لیکن یہ مصنف کی ذمہ داری ہے کہ وہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی پیدا کرے۔ انہوں نے کہا کہ روایتی سائنسی علوم کی کتابوں کی تیاری کے ذریعہ اردو یونیورسٹی، اقلیتی طلبہ کے لیے ایک کار خیر انجام دے سکتی ہے۔ کیونکہ یہ طلبہ صدیوں سے ان علوم سے محروم رہے ہیں۔ انگریزی زبان میں طلبہ کی ذہن سازی مشکل ہے، کیونکہ مادر رحم میں انسانی فکر کا آغاز مادری زبان ہی میں ہوتا ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے اپنی صدارتی تقریر میں مصنفین کو مشورہ دیا کہ وہ راست طریقہ کار اختیار کرتے ہوئے پیچیدگی سے گریز کریں۔ کتاب پڑھنے والے کو یہ محسوس ہو کہ کتاب اسی کے لیے لکھی گئی ہے۔ علم کی منتقلی ناگزیر امر ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے جو ایک کہنہ مشق شاعر بھی ہیں، اس موقع کی مناسبت سے چند شعر بھی سامعین کی نذر کیے جنہیں کافی پسند کیا گیا۔

قلم میں اپنے رنگ شباب رکھتے ہیں
سوال آنے سے پہلے جواب رکھتے ہیں
مگر وہ لوگ جو کتب میں دیمک سے پہنچے
گھڑی کلائی کی اب تک خراب رکھتے ہیں
تاریخ ہے یہ تہذیب شیروانی کی
جہاں پہ دل ہے وہی پہ گلاب رکھتے ہیں

قبل ازیں مانو کے اولین رجسٹرار پروفیسر سلیمان صدیقی نے افتتاحی اجلاس سے خطاب کرتے ہوئے اکتسابی مواد کی تیاری کے لیے اردو یونیورسٹی میں کیے گئے ابتدائی تجربات پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے نصابی کتابوں کی تیاری کے لیے اساتذہ کے ناموں کی فہرست تیار کرنے کا مشورہ دیا اور کہا کہ انگریزی، اردو اور متعلقہ مضمون میں مہارت کا ایک ساتھ ملنا مشکل ہے۔ پروفیسر سلیمان صدیقی نے کہا کہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی کو برقرار رکھنے کے لیے حقیقی مواد کا اعلیٰ معیار اور عمدہ اسلوب ضروری ہے۔ پروفیسر امتیاز حسنین (شعبہ لسانیات، علی گڑھ مسلم یونیورسٹی) نے نشاندہی کی کہ یونیورسٹی گرانٹس کمیشن نے نئی قومی تعلیمی پالیسی 2020 کے تحت بی بی ایس کا قیام عمل میں لاتے ہوئے 22 ہندوستانی زبانوں میں اعلیٰ تعلیمی مواد کی تیاری کا کام شروع کیا ہے۔ اس پالیسی کے ذریعہ ہندوستان کی ہمہ لسانیت کو باضابطہ طور پر تسلیم کیا گیا ہے۔ انہوں نے مصنفین کو مشورہ دیا کہ مواد کی تیاری ترجمہ کی بنیاد پر نہیں بلکہ مشاہدہ اور تجربہ کی بنیاد پر کریں۔ پروفیسر خالد مبشر الظفر نے اپنے خطبہ استقبالیہ میں اردو کو علمی زبان بنانے حکومت ہند کے اقدام کا خیر مقدم کیا اور کہا کہ تعلیمی دنیا میں اردو کے لیے یہ ایک نئی پہل ہے۔ ڈی ٹی ایل پی کے ڈاکٹر محمد اسلم پرویز (مترجم) نے کارروائی چلائی اور ڈاکٹر ظفر گلزار (سیکشن آفیسر) نے شکریہ ادا کیا۔ ڈاکٹر صالح امین کی تلاوت سے افتتاحی اجلاس کا آغاز ہوا۔ دوروزہ ورکشاپ میں ملک کے مختلف حصوں سے تقریباً 60 مصنفین شریک ہیں۔ اس موقع پر یونیورسٹی میگزین الکلام کے خصوصی شمارہ کا رسم اجرا بھی عمل میں آیا۔ ڈاکٹر محمد مصطفیٰ علی سروری، پی آر او و اسوسی ایٹ پروفیسر ایم سی جے و مدیر الکلام نے خصوصی شمارے کے بارے میں اظہار خیال کیا۔ افتتاحی اجلاس کے دوران ڈی ٹی ایل پی کی کارکردگی اور کامیابیوں پر مشتمل ایک مختصر ویڈیو کی بھی نمائش کی گئی۔ بعد ازاں پروفیسر بی جے راؤ نے پروفیسر عین الحسن کے ہمراہ ہارون خان شیروانی مرکز مطالعات دکن کی پہلی منزل پر واقع ڈی ٹی ایل پی کے احاطہ میں بی بی ایس (اردو) کے دفتر کا افتتاح انجام دیا۔

RB

روزنامہ الحیات
16-10-2024

اردو میں نصابی کتب کی تیاری، مانو کی ایک تاریخی پیش رفت: پروفیسر بی جے راؤ

بھارتیہ بھاشا سمیتی کے تحت مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کا افتتاح

الحیات نیوز سرویس

حیدرآباد: مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی، آل انڈیا کونسل آف ٹیکنیکل ایجوکیشن (اے آئی سی ٹی ای) کے لیے اردو میں انجینئرنگ کی کتابوں کی تیاری کے ذریعے ہندوستان میں ایک تاریخ رقم کر رہی ہے۔ ان خیالات کا اظہار پروفیسر بی جے راؤ، وائس چانسلر، حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی نے کیا۔ وہ آج اردو یونیورسٹی میں یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کی شروع کردہ بھارتیہ بھاشا سمیتی (بی بی ایس) کے تحت اعلیٰ تعلیم کے شعبے میں اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کے افتتاحی اجلاس میں بحیثیت مہمانِ خصوصی موجود تھے۔ جبکہ اس پروگرام کی صدارت پروفیسر سید عین الحسن، وائس چانسلر، اردو یونیورسٹی نے کی۔ پروفیسر سلیمان صدیقی، سابق وائس چانسلر، عثمانیہ یونیورسٹی اور پروفیسر سید امتیاز حسنین (اے ایم یو) نے مہمانانِ اعزازی کی حیثیت سے شرکت کی۔ پروفیسر محمد خالد مبشر الظفر ڈائرکٹر نظامت ترجمہ، مطالعات، ترجمہ، لغت نویسی و اشاعت نے جو بی بی ایس کے اردو کوآرڈی نیٹر بھی ہیں، مہمانوں کا استقبال کیا۔ یو جی سی نے بی بی ایس کے تحت اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مانو کو نوڈل یونیورسٹی مقرر کیا ہے۔ پروفیسر سید عین الحسن اس پراجیکٹ کے نوڈل آفیسر ہیں۔

پروفیسر راؤ جو کہ حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر کے علاوہ بھارتیہ بھاشا سمیتی کے رکن بھی ہیں نے سلسلہ تقریر جاری رکھتے ہوئے کہا کہ نصابی کتابوں کی تیاری آسان کام نہیں ہے لیکن یہ مصنف کی ذمہ داری ہے کہ وہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی پیدا کرے۔ انہوں نے کہا کہ روایتی سائنسی علوم کی کتابوں کی تیاری کے ذریعہ اردو یونیورسٹی، اقلیتی طلبہ کے لیے ایک کارِ خیر انجام دے سکتی ہے۔ کیونکہ یہ طلبہ صدیوں سے ان علوم سے محروم رہے ہیں۔ انگریزی زبان میں طلبہ کی ذہن سازی مشکل ہے، کیونکہ مادرِ رحم میں انسانی فکر کا آغاز مادری زبان ہی میں ہوتا ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے اپنی صدارتی تقریر میں مصنفین کو مشورہ دیا کہ وہ راست طریقہ کار اختیار کرتے ہوئے پیچیدگی سے گریز کریں۔ کتاب پڑھنے والے کو یہ محسوس ہو کہ کتاب اسی کے لیے لکھی گئی ہے۔ علم کی منتقلی ناگزیر امر ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے جو ایک کہنہ مشق شاعر بھی ہیں اس موقع کی مناسبت سے چند شعر بھی سامعین کی نذر کیے جنہیں کافی پسند کیا گیا۔

قلم میں اپنے رنگِ شباب رکھتے ہیں
سوال آنے سے پہلے جواب رکھتے ہیں
مگر وہ لوگ جو مکتب میں دیر سے پہنچے
گھڑی کلائی کی اب تک خراب رکھتے ہیں
بتا رہی ہے یہ تہذیب شیروانی کی
جہاں پہ دل ہے وہی پہ گلاب رکھتے ہیں

قبل ازیں مانو کے اولین رجسٹرار پروفیسر سلیمان صدیقی نے افتتاحی اجلاس سے خطاب کرتے ہوئے اکتسابی مواد کی تیاری کے لیے اردو یونیورسٹی میں کیے گئے ابتدائی تجربات پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے نصابی کتابوں کی تیاری کے لیے اساتذہ کے ناموں کی فہرست تیار کرنے کا مشورہ دیا اور کہا کہ انگریزی، اردو اور متعلقہ مضمون میں مہارت کا ایک ساتھ ملنا مشکل ہے۔ پروفیسر سلیمان صدیقی نے کہا کہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی کو برقرار رکھنے کے لیے حقیقی مواد کا اعلیٰ معیار اور عمدہ اسلوب ضروری ہے۔ پروفیسر امتیاز حسنین (شعبہ لسانیات، علی گڑھ مسلم یونیورسٹی) نے نشاندہی کی کہ یونیورسٹی گرانٹس کمیشن نے نئی قومی تعلیمی پالیسی 2020 کے تحت بی بی ایس کا قیام عمل میں لاتے ہوئے 22 ہندوستانی زبانوں میں اعلیٰ تعلیمی مواد کی تیاری کا کام شروع کیا ہے۔ اس پالیسی کے ذریعہ ہندوستان کی ہمہ لسانیت کو باضابطہ طور پر تسلیم کیا گیا ہے۔ انہوں نے مصنفین کو مشورہ دیا کہ مواد کی تیاری ترجمہ کی بنیاد پر نہیں بلکہ مشاہدہ اور تجربہ کی بنیاد پر کریں۔

پروفیسر خالد مبشر الظفر نے اپنے خطبہ استقبالیہ میں اردو کو علمی زبان بنانے حکومت ہند کے اقدام کا خیر مقدم کیا اور کہا کہ تعلیمی دنیا میں اردو کے لیے یہ ایک نئی پہل ہے۔ ڈی ٹی ایل پی کے ڈاکٹر محمد اسلم پرویز (مترجم) نے کارروائی چلائی اور ڈاکٹر ظفر گلزار (سیکشن آفیسر) نے شکریہ ادا کیا۔ ڈاکٹر صالح امین کی تلاوت سے افتتاحی اجلاس کا آغاز ہوا۔ دو روزہ ورکشاپ میں ملک کے مختلف حصوں سے تقریباً 60 مصنفین شریک ہیں۔ اس موقع پر یونیورسٹی میگزین الکلام کے خصوصی شمارہ کا رسم اجرا بھی عمل میں آیا۔ ڈاکٹر محمد مصطفیٰ علی سروری، پی آر او و اسوسی ایٹ پروفیسر ایم سی جے و مدیر الکلام نے خصوصی شمارے کے بارے میں اظہارِ خیال کیا۔ افتتاحی اجلاس کے دوران ڈی ٹی ایل پی کی کارکردگی اور کامیابیوں پر مشتمل ایک مختصر ویڈیو کی بھی نمائش کی گئی۔ بعد ازاں پروفیسر بی جے راؤ نے پروفیسر عین الحسن کے ہمراہ ہارون خان شیروانی مرکز مطالعاتِ دکن کی پہلی منزل پر واقع ڈی ٹی ایل پی کے احاطہ میں بی بی ایس (اردو) کے دفتر کا افتتاح انجام دیا۔

Aagaz e Jung, 16-10-2024

اردو میں نصابی کتب کی تیاری، مانو کی ایک تاریخی پیش رفت: پروفیسر بی جے راؤ

بھارتیہ بھاشا سمیتی کے تحت مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کا افتتاح

حیدرآباد، 15/ اکتوبر (پریس نوٹ)۔ مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی، آل انڈیا کونسل آف ٹیکنیکل ایجوکیشن (اے آئی سی ٹی ای) کے لیے اردو میں انجینئرنگ کی کتابوں کی تیاری کے ذریعے ہندوستان میں ایک تاریخ رقم کر رہی ہے۔ ان خیالات کا اظہار پروفیسر بی جے راؤ، وائس چانسلر، حیدرآباد، سنٹرل یونیورسٹی نے کیا۔ وہ آج اردو یونیورسٹی میں یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کی شروع کردہ بھارتیہ بھاشا سمیتی (بی بی ایس) کے تحت اعلیٰ تعلیم کے شعبے میں اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کے افتتاحی اجلاس میں بحیثیت مہمان خصوصی موجود تھے۔ جبکہ اس پروگرام کی صدارت پروفیسر سید عین الحسن، وائس چانسلر، اردو یونیورسٹی نے کی۔ پروفیسر سلیمان صدیقی، سابق وائس چانسلر، عثمانیہ یونیورسٹی اور پروفیسر سید امتیاز حسنین (اے ایم یو) نے مہمانان اعزازی کی حیثیت سے شرکت کی۔ پروفیسر محمد خالد مبشر الظفر، ڈائرکٹر نظامت ترجمہ مطالعات ترجمہ لغت نویسی و اشاعت نے جو بی بی ایس کے اردو کوآرڈی نیٹر بھی ہیں، مہمانوں کا استقبال کیا۔ یو جی سی نے بی بی ایس کے تحت اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مانو کو نوڈل یونیورسٹی مقرر کیا ہے۔ پروفیسر سید عین الحسن اس پراجیکٹ کے نوڈل آفیسر ہیں۔ پروفیسر راؤ جو

کہ حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر کے علاوہ بھارتیہ بھاشا کمیٹی کے رکن بھی ہیں نے سلسلہ تقریر جاری رکھتے ہوئے کہا کہ نصابی کتابوں کی تیاری آسان کام نہیں ہے لیکن یہ مصنف کی ذمہ داری ہے کہ وہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی پیدا کرے۔ انہوں نے کہا کہ روایتی سائنسی علوم کی کتابوں کی تیاری کے ذریعہ اردو یونیورسٹی، اقلیتی طلبہ کے لیے ایک کار خیر انجام دے سکتی ہے۔ کیونکہ یہ طلبہ صدیوں سے ان علوم سے محروم رہے ہیں۔ انگریزی زبان میں طلبہ کی ذہن سازی مشکل ہے، کیونکہ

مادر رحم میں انسانی فکر کا آغاز مادری زبان ہی میں ہوتا ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے اپنی صدارتی تقریر میں مصنفین کو مشورہ دیا کہ وہ راست طریقہ کار اختیار کرتے ہوئے پیچیدگی سے گریز کریں۔ کتاب پڑھنے والے کو یہ محسوس ہو کہ کتاب اسی کے لیے لکھی گئی ہے۔ علم کی منتقلی ناگزیر امر ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے جو ایک کہنہ مشق شاعر بھی ہیں، اس موقع کی مناسبت سے چند شعر بھی سامعین کی نذر کیے جنہیں کافی پسند کیا گیا۔

قلم میں اپنے رنگ شباب رکھتے ہیں

سوال آنے سے پہلے جواب رکھتے ہیں

مگر وہ لوگ جو مکتب میں دیر سے پہنچے

گھڑی کلائی کی اب تک خراب رکھتے ہیں

تباری ہے یہ تہذیب شیروانی کی

جہاں پہ دل ہے وہی پہ گلاب رکھتے ہیں

قبل ازیں مانو کے اولین رجسٹرار پروفیسر سلیمان صدیقی نے افتتاحی اجلاس سے خطاب کرتے ہوئے اکتسابی مواد کی تیاری کے لیے اردو یونیورسٹی میں کیے گئے ابتدائی تجربات پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے نصابی کتابوں کی تیاری کے لیے اساتذہ کے ناموں کی فہرست تیار کرنے کا مشورہ دیا اور کہا کہ انگریزی، اردو اور متعلقہ مضمون میں مہارت کا ایک ساتھ ملنا مشکل ہے۔ پروفیسر سلیمان صدیقی نے کہا کہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی کو برقرار رکھنے کے لیے تحقیقی مواد کا اعلیٰ معیار اور عمدہ اسلوب ضروری ہے۔ پروفیسر امتیاز حسنین (شعبہ لسانیات علی گڑھ مسلم یونیورسٹی) نے نشاندہی کی کہ یونیورسٹی گرانٹس کمیشن نے نئی قومی تعلیمی پالیسی 2020 کے تحت بی بی ایس کا قیام عمل میں لاتے ہوئے 22 ہندوستانی زبانوں میں اعلیٰ تعلیمی مواد کی تیاری کا کام شروع کیا ہے۔

اس پالیسی کے ذریعہ ہندوستان کی ہمہ لسانیت کو باضابطہ طور پر تسلیم کیا گیا ہے۔ انہوں نے مصنفین کو مشورہ دیا کہ مواد کی تیاری ترجمہ کی بنیاد پر نہیں بلکہ مشاہدہ اور تجربہ کی بنیاد پر کریں۔ پروفیسر خالد مبشر الظفر نے اپنے خطبہ استقبالیہ میں اردو کو علمی زبان بنانے حکومت ہند کے اقدام کا خیر مقدم کیا اور کہا کہ تعلیمی دنیا میں اردو کے لیے یہ ایک نئی پہل ہے۔ ڈی ٹی ایل پی کے ڈاکٹر محمد اسلم پرویز (مترجم) نے کارروائی چلائی اور ڈاکٹر ظفر گلزار (سیکشن آفیسر) نے شکریہ ادا کیا۔ ڈاکٹر صالح امین کی تلاوت سے افتتاحی اجلاس کا آغاز ہوا۔ دو روزہ ورکشاپ میں ملک کے مختلف حصوں سے تقریباً 60 مصنفین شریک ہیں۔ اس موقع پر یونیورسٹی میگزین الکلام کے خصوصی شمارہ کا رسم اجرا بھی عمل میں آیا۔ ڈاکٹر محمد مصطفیٰ علی سروری پی آر او واسوسی ایٹ پروفیسر ایم سی جے و مدیر الکلام نے خصوصی شمارے کے بارے میں اظہار خیال کیا۔ افتتاحی اجلاس کے دوران ڈی ٹی ایل پی کی کارکردگی اور کامیابیوں پر مشتمل ایک مختصر ویڈیو کی بھی نمائش کی گئی۔ بعد ازاں پروفیسر بی جے راؤ نے پروفیسر عین الحسن کے ہمراہ ہارون خان شیروانی مرکز مطالعات دکن کی پہلی منزل پر واقع ڈی ٹی ایل پی کے احاطہ میں بی بی ایس (اردو) کے دفتر کا افتتاح انجام دیا۔

Freedom Press, 16-10-2024

MANUU to develop higher education textbooks in Urdu

FREEDOM PRESS BUREAU
HYDERABAD, OCT 15

Maulana Azad National Urdu University (MANUU) officially launched its initiative to develop higher education textbooks in Urdu on Tuesday.

This project, assigned by the Bhartiya Bhasha Samiti (BBS), an initiative of the University Grants Commission (UGC), aims to create academic resources in the Urdu language. The university is hosting a two-day workshop for authors on academic writing to facilitate the development of these textbooks.

Speaking at the inaugural session, University of Hyderabad Vice-Chancellor, Prof. B J Rao, commended MANUU for its significant contribution to promoting Urdu as a language of knowledge. Describing Urdu as a "sweet language," Prof. Rao highlighted the success of MANUU's human resource development programs and its translation of engineering textbooks for the All India Council for Technical Education (AICTE).In his presidential address, Prof. Syed Ainul Hasan, Vice-Chancellor of MANUU and Nodal Officer for BBS (Urdu), advised the authors to adopt a direct approach that resonates with students.

Prof Suleman Siddiqui, former Vice-Chancellor of Osmania University and MANUU's first Registrar, shared his experiences from the early days of the university when academic material in Urdu was first developed. He recommended forming a pool of authors proficient in Urdu, English, and their respective subject areas to ensure high-quality content. Prof Imtiyaz Hasnain from Aligarh Muslim University (Dept of Linguistics) emphasized that the UGC's initiative aligns with the New Education Policy (NEP) 2020, which prioritizes education in mother tongues. He noted that NEP formally acknowledges the multilingual nature of Indian society.

Earlier, Prof MKM Zafar, Director of the Directorate of Translation, Translation Studies, Lexicography, and Publications (DTTLP) and coordinator of BBS Urdu, welcomed the guests and outlined the objectives of the workshop. He called the initiative a blessing for Urdu medium students, ensuring they have access to quality educational materials in their native language. During the event, a special issue of MANUU's university magazine Al-Kalam was released. Dr Mohd. Mustafa Ali Sarwari, Public Relations Officer and Associate Professor of MCJ, and Editor of the magazine, spoke about this special edition. A short video film showcasing the activities and achievements of DTTLP was also screened.

Later, Prof B J Rao inaugurated the new BBS Urdu office at the DTTLP, located within the Center for Deccan Studies. Approximately 60 authors from across India are participating in the workshop.

हिंदी डेली

HINDI DAILY Telangana
16 Oct 2024 - Page 8

मानु ने शुरू की बीबीएस की उर्दू परियोजना

हैदराबाद
(एजन्सी),

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानु) ने आज औपचारिक रूप से उर्दू भाषा में उच्च शिक्षा के लिए पाठ्यपुस्तकें विकसित करने का काम शुरू कर दिया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (युजीसी) की पहल भारतीय भाषा समिति (बीबीएस) ने मानु को यह कार्य सौंपा है। विश्वविद्यालय पाठ्यपुस्तकें विकसित करने के लिए अकादमिक लेखन पर लेखकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर रहा है।

आज उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.जे. राव ने उर्दू को ज्ञान की भाषा के रूप में बढ़ावा देने में मानु द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उर्दू को एक मधुर भाषा बताते हुए उन्होंने मानु द्वारा किए गए मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों और AICTE से इंजीनियरिंग पाठ्यपुस्तकों के अनुवाद की लोकप्रियता और सफलता की ओर इशारा किया। मानु के कुलपति और बीबीएस (उर्दू) के नोडल अधिकारी प्रो. सैयद ऐनुल हसन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में लेखकों को छात्रों को आकर्षित करने के लिए सीधा दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। उस्मानिया विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. सुलेमान सिद्दीकी, जिन्होंने मानु के पहले रजिस्ट्रार के रूप में भी काम किया, ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय के प्रारंभिक चरणों के दौरान उर्दू में शैक्षणिक सामग्री तैयार करने के लिए किए गए प्रयोगों और विचार-विमर्श के बारे में बताया।

उन्होंने उर्दू, अंग्रेजी और संबंधित विषय को जानने वाले लेखकों का एक समूह तैयार करने का सुझाव दिया। प्रो. इम्तियाज हसनैन (भाषा विज्ञान विभाग, एएमयू) ने अपने संबोधन में बताया कि यूजीसी ने नई शिक्षा नीति 2020 के कारण यह पहल की है।

एनईपी मातृभाषा में शिक्षा प्रदान करने पर जोर देती है। उन्होंने टिप्पणी की कि एनईपी ने भारतीय समाज की बहुभाषावाद को औपचारिक रूप से मान्यता दी है। इससे पहले, अनुवाद निदेशालय, अनुवाद अध्ययन, कोशरचना और प्रकाशन (डीटीटीएलपी) के निदेशक प्रो. एमकेएम जफर, जो बीबीएस उर्दू के समन्वयक भी हैं, ने मेहमानों का स्वागत किया और कार्यशाला के बारे में बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार करने की पहल को उर्दू माध्यम के छात्रों के लिए वरदान बताया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की पत्रिका अल-कलाम का एक विशेष अंक भी जारी किया गया।

डॉ. मोहम्मद मुस्तफा अली सरवरी, पीआरओ और एसोसिएट प्रोफेसर एमसीजे जो पत्रिका के संपादक भी हैं, ने विशेष अंक के बारे में बात की। उद्घाटन के दौरान डीटीटीएलपी की गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में एक लघु वीडियो फिल्म भी दिखाई गई। प्रो. बी.जे. राव ने सेंटर फॉर डेक्कन स्टडीज में स्थित डीटीटीएलपी में बीबीएस उर्दू के कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यशाला में भारत के विभिन्न हिस्सों से लगभग 60 लेखक भाग ले रहे हैं।

16-10-24

The Daily Pasban | Bangalore |

اردو میں نصابی کتب کی تیاری، مانو کی ایک تاریخی پیش رفت: پروفیسر بی جے راؤ

حیدرآباد، 15/اکتوبر (پریس نوٹ)۔ مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی، آل انڈیا کونسل آف ٹیکنیکل ایجوکیشن (اے آئی سی ٹی ای) کے لیے اردو میں انجینئرنگ کی کتابوں کی تیاری کے ذریعے ہندوستان میں ایک تاریخ رقم کررہی ہے۔ ان خیالات کا اظہار پروفیسر بی جے راؤ، وائس چانسلر، حیدرآباد، سنٹرل یونیورسٹی نے کیا۔ وہ آج اردو یونیورسٹی میں یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کی شروع کردہ بھارتیہ بھاشا سمیتی' (بی بی ایس) کے تحت اعلیٰ تعلیم کے شعبے میں اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کے افتتاحی اجلاس میں بحیثیت مہمانِ خصوصی موجود تھے۔ جبکہ اس پروگرام کی صدارت پروفیسر سید عین الحسن، وائس چانسلر، اردو یونیورسٹی نے کی۔ پروفیسر سلیمان صدیقی، سابق وائس چانسلر، عثمانیہ یونیورسٹی اور پروفیسر سید امتیاز حسنین (اے ایم یو) نے مہمانانِ اعزازی کی حیثیت سے شرکت کی۔ پروفیسر محمد خالد مبشر الظفر 'ڈائرکٹر' نظامت ترجمہ، مطالعاتِ ترجمہ، لغت نویسی واشاعت نے جو بی بی ایس کے اردو کو آرڈی نیٹر بھی ہیں' مہمانوں کا استقبال کیا۔ یو جی سی نے بی بی ایس کے تحت اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مانو کو نوڈل یونیورسٹی مقرر کیا ہے' پروفیسر سید عین الحسن اس پراجیکٹ کے نوڈل آفیسر ہیں۔ پروفیسر راؤ جو کہ حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر کے علاوہ بھارتیہ بھاشا سمیتی کے رکن بھی ہیں نے سلسلہ تقریر جاری رکھتے ہوئے کہا کہ نصابی کتابوں کی تیاری آسان کام نہیں ہے لیکن یہ مصنف کی ذمہ داری ہے کہ وہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی پیدا کرے۔ انہوں نے کہا کہ روایتی سائنسی علوم کی کتابوں کی تیاری کے ذریعہ اردو یونیورسٹی، اقلیتی طلبہ کے لیے ایک کارِ خیر انجام دے سکتی ہے۔ کیونکہ یہ طلبہ صدیوں سے ان علوم سے محروم رہے ہیں۔ انگریزی زبان میں طلبہ کی ذہن سازی مشکل ہے، کیونکہ مادرِ رحم میں انسانی فکر کا آغاز مادری زبان ہی میں ہوتا ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے اپنی صدارتی تقریر میں مصنفین کو مشورہ دیا کہ وہ راست طریقہ کار اختیار کرتے ہوئے پیچیدگی سے گریز کریں۔ کتاب پڑھنے والے کو یہ محسوس ہو کہ کتاب اسی کے لیے لکھی گئی ہے۔ علم کی منتقلی ناگزیر امر ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے جو ایک کہنہ مشق شاعر بھی ہیں' اس موقع کی مناسبت سے چند شعر بھی سامعین کی نذر کیے جنہیں کافی پسند کیا گیا۔ ☆قلم میں اپنے رنگِ شباب رکھتے ہیں☆ سوال آنے سے پہلے جواب رکھتے ہیں☆ مگر وہ لوگ جو مکتب میں دیر سے پہنچے☆ گھڑی کلائی کی اب تک خراب رکھتے ہیں☆ بتا رہی ہے یہ تہذیب شیروانی کی☆ جہاں پہ دل ہے وہی پہ گلاب رکھتے ہیں☆ قبل ازیں مانو کے اولین رجسٹرار پروفیسر سلیمان صدیقی نے افتتاحی اجلاس سے خطاب کرتے ہوئے اکتسابی مواد کی تیاری کے لیے اردو یونیورسٹی میں کیے گئے ابتدائی تجربات پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے نصابی کتابوں کی تیاری کے لیے اساتذہ کے ناموں کی فہرست تیار کرنے کا مشورہ دیا اور کہا کہ انگریزی، اردو اور متعلقہ مضمون میں مہارت کا ایک ساتھ ملنا مشکل ہے۔ پروفیسر سلیمان صدیقی نے کہا کہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی کو برقرار رکھنے کے لیے حقیقی مواد کا اعلیٰ معیار اور عمدہ اسلوب ضروری ہے۔ پروفیسر امتیاز حسنین (شعبہ لسانیات' علی گڑھ مسلم یونیورسٹی) نے نشاندہی کی کہ یونیورسٹی گرانٹس کمیشن نے نئی قومی تعلیمی پالیسی 2020 کے تحت بی بی ایس کا قیام عمل میں لاتے ہوئے 22 ہندوستانی زبانوں میں اعلیٰ تعلیمی مواد کی تیاری کا کام شروع کیا ہے۔ اس پالیسی کے ذریعہ ہندوستان کی ہمہ لسانیت کو باضابطہ طور پر تسلیم کیا گیا ہے۔ انہوں نے مصنفین کو مشورہ دیا کہ مواد کی تیاری ترجمہ کی بنیاد پر نہیں بلکہ مشاہدہ اور تجربہ کی بنیاد پر کریں۔ پروفیسر خالد مبشر الظفر نے اپنے خطبہ استقبالیہ میں اردو کو علمی زبان بنانے حکومت ہند کے اقدام کا خیر مقدم کیا اور کہا کہ تعلیمی دنیا میں اردو کے لیے یہ ایک نئی پہل ہے۔ ڈی ٹی ایل پی کے ڈاکٹر محمد اسلم پرویز (مترجم) نے کارروائی چلائی اور ڈاکٹر ظفر گلزار (سیکشن آفیسر) نے شکریہ ادا کیا۔ ڈاکٹر صالح امین کی تلاوت سے افتتاحی اجلاس کا آغاز ہوا۔ دو روزہ ورکشاپ میں ملک کے مختلف حصوں سے تقریباً 60 مصنفین شریک ہیں۔ اس موقع پر یونیورسٹی میگزین الکلام کے خصوصی شمارہ کا رسم اجرا بھی عمل میں آیا۔ ڈاکٹر محمد مصطفیٰ علی سروری' پی آر او وا سوسی ایٹ پروفیسر ایم سی جے و مدیر الکلام نے خصوصی شمارے کے بارے میں اظہار خیال کیا۔ افتتاحی اجلاس کے دوران ڈی ٹی ایل پی کی کارکردگی اور کامیابیوں پر مشتمل ایک مختصر ویڈیو کی بھی نمائش کی گئی۔ بعد ازاں پروفیسر بی جے راؤ نے پروفیسر عین الحسن کے ہمراہ ہارون خان شیروانی مرکز مطالعات دکن کی پہلی منزل پر واقع ڈی ٹی ایل پی کے احاطہ میں بی بی ایس (اردو) کے دفتر کا افتتاح انجام دیا۔

16-10-2024

پیٹریاٹک ویوز
Patriotic Views Urdu Daily

اردو یونیورسٹی اور مہاتما گاندھی کاشی ودیا پیٹھ کے درمیان یادداشت مفاہمت

حیدرآباد، 14 اکتوبر (پریس نوٹ) مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی نے آج وارانسی کی مہاتما گاندھی کاشی ودیا پیٹھ (ایم جی کے وی پی) کے ساتھ باہمی یادداشت مفاہمت پر دستخط کیے ہیں۔ اس مفاہمتی یادداشت پر دستخط کی تقریب وی سی آفس میں منعقد ہوئی جس میں مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی کی جانب سے وائس چانسلر پروفیسر سید عین الحسن اور ایم جی کے وی پی کی جانب سے وائس چانسلر پروفیسر آنند کمار تیاگی نے اس مفاہمت کے معاہدے پر دستخط کیے۔ یادداشت مفاہمت کے تحت دونوں تعلیمی اداروں میں ماہرین تعلیم، تحقیق، مشاورت، تربیت، معلومات کی ترسیل، اساتذہ کا فروغ وطلبہ کا آپسی تبادلہ، مشترکہ تحقیقی پروگراموں کے انعقاد جیسے امور میں تعاون کیا جائے گا۔ اس معاہدے کے تحت مختلف مشترکہ یو جی و پی جی کورسز کا آغاز، تحقیقی پراجیکٹس میں اشتراک، تحقیقی وسائل سے استفادہ، ایک دوسرے کے پاس موجود خصوصی سہولیات و انفراسٹرکچر سے استفادہ، مشترکہ سیمینار و کانفرنسوں کا انعقاد شامل ہے۔ اس مفاہمتی معاہدے کی مدت پانچ برس ہے۔ اس موقع پر پروفیسر اشتیاق احمد، رجسٹرار کے علاوہ پروفیسر سید نجم الحسن، پروفیسر سلمیٰ احمد فاروقی، پروفیسر عبدالواحد، پروفیسر محمد فریاد اور پروفیسر سنیم فاطمہ بھی موجود تھیں۔

16-10-2024

روزنامہ
پیٹریاٹک ویوز
Patriotic Views Urdu Daily

اردو میں نصابی کتب کی تیاری، مانو کی ایک تاریخی پیش رفت: پروفیسر بی جے راو

بھارتیہ بھاشا سمیتی کے تحت مصنفین کے دوروزہ ورکشاپ کا افتتاح

حیدرآباد، 15 اکتوبر (پریس نوٹ)۔ مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی، آل انڈیا کونسل آف ٹیکنیکل ایجوکیشن (اے آئی سی ٹی ای) کے لیے اردو میں انجینئرنگ کی کتابوں کی تیاری کے ذریعے ہندوستان میں ایک تاریخ رقم کررہی ہے۔ ان خیالات کا اظہار پروفیسر بی جے راو، وائس چانسلر، حیدرآباد، سنٹرل یونیورسٹی نے کیا۔ وہ آج اردو یونیورسٹی میں یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کی شروع کردہ بھارتیہ بھاشا سمیتی' (بی بی ایس) کے تحت اعلیٰ تعلیم کے شعبے میں اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کے افتتاحی اجلاس میں بحیثیت مہمانِ خصوصی موجود تھے۔ جبکہ اس پروگرام کی صدارت پروفیسر سید عین الحسن، وائس چانسلر، اردو یونیورسٹی نے کی۔ پروفیسر سلیمان صدیقی، سابق وائس چانسلر، عثمانیہ یونیورسٹی اور پروفیسر سید امتیاز حسنین (اے ایم یو) نے مہمانانِ اعزازی کی حیثیت سے شرکت کی۔ پروفیسر محمد خالد مبشر الظفر ' ڈائرکٹر' نظامت ترجمہ' مطالعات ترجمہ' لغت نویسی واشاعت نے جو بی بی ایس کے اردو کوآرڈی نیٹر بھی ہیں' مہمانوں کا استقبال کیا۔ یو جی سی نے بی بی ایس کے تحت اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مانو کو نوڈل یونیورسٹی مقرر کیا ہے' پروفیسر سید عین الحسن اس پراجیکٹ کے نوڈل آفیسر ہیں۔ پروفیسر راو جو کہ حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر کے علاوہ بھارتیہ بھاشا سمیتی کے رکن بھی ہیں نے سلسلہ تقریر جاری رکھتے ہوئے کہا کہ نصابی کتابوں کی تیاری آسان کام نہیں ہے لیکن یہ مصنف کی ذمہ داری ہے کہ وہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی پیدا کرے۔ انہوں نے کہا کہ روایتی سائنسی علوم کی کتابوں کی تیاری کے ذریعہ اردو یونیورسٹی، اقلیتی طلبہ کے لیے ایک کارِخیر انجام دے سکتی ہے۔ کیونکہ یہ طلبہ صدیوں سے ان علوم سے محروم رہے ہیں۔ انگریزی زبان میں طلبہ کی ذہن سازی مشکل ہے، کیونکہ مادرِ رحم میں انسانی فکر کا آغاز مادری زبان ہی میں ہوتا ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے اپنی صدارتی تقریر میں مصنفین کو مشورہ دیا کہ وہ راست طریقہ کار اختیار کرتے ہوئے پیچیدگی سے گریز کریں۔ کتاب پڑھنے والے کو یہ محسوس ہو کہ کتاب اسی کے لیے لکھی گئی ہے۔ علم کی منتقلی ناگزیر امر ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے جو ایک کہنہ مشق شاعر بھی ہیں' اس موقع کی مناسبت سے چند شعر بھی سامعین کی نذر کیے جنہیں کافی پسند کیا گیا۔ قلم میں اپنے رنگِ شباب رکھتے ہیں سوال آنے سے پہلے جواب رکھتے ہیں مگر وہ لوگ جو مکتب میں دیر سے پہنچے گھڑی کلائی کی اب تک خراب رکھتے ہیں بتا رہی ہے یہ تہذیب شیروانی کی جہاں پہ دل ہے وہی پہ گلاب رکھتے ہیں قبل ازیں مانو کے اولین رجسٹرار پروفیسر سلیمان صدیقی نے افتتاحی اجلاس سے خطاب کرتے ہوئے اکتسابی مواد کی تیاری کے لیے اردو یونیورسٹی میں کیے گئے ابتدائی تجربات پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے نصابی کتابوں کی تیاری کے لیے اساتذہ کے ناموں کی فہرست تیار کرنے کا مشورہ دیا اور کہا کہ انگریزی، اردو اور متعلقہ مضمون میں مہارت کا ایک ساتھ ملنا مشکل ہے۔ پروفیسر سلیمان صدیقی نے کہا کہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی کو برقرار رکھنے کے لیے حقیقی مواد کا اعلیٰ معیار اور عمدہ اسلوب ضروری ہے۔ پروفیسر امتیاز حسنین (شعبہ لسانیات' علی گڑھ مسلم یونیورسٹی) نے نشاندہی کی کہ یونیورسٹی گرانٹس کمیشن نے نئی قومی تعلیمی پالیسی 2020 کے تحت بی بی ایس کا قیام عمل میں لاتے ہوئے 22 ہندوستانی زبانوں میں اعلیٰ تعلیمی مواد کی تیاری کا کام شروع کیا ہے۔ اس پالیسی کے ذریعہ ہندوستان کی ہمہ لسانیت کو باضابطہ طور پر تسلیم کیا گیا ہے۔ انہوں نے مصنفین کو مشورہ دیا کہ مواد کی تیاری ترجمہ کی بنیاد پر نہیں بلکہ مشاہدہ اور تجربہ کی بنیاد پر کریں۔ پروفیسر خالد مبشر الظفر نے اپنے خطبہ استقبالیہ میں اردو کو علمی زبان بنانے حکومت ہند کے اقدام کا خیر مقدم کیا اور کہا کہ تعلیمی دنیا میں اردو کے لیے یہ ایک نئی پہل ہے۔ ڈی ٹی ایل پی کے ڈاکٹر محمد اسلم پرویز (مترجم) نے کارروائی چلائی اور ڈاکٹر ظفر گلزار (سیکشن آفیسر) نے شکریہ ادا کیا۔ ڈاکٹر صالح امین کی تلاوت سے افتتاحی اجلاس کا آغاز ہوا۔ دو روزہ ورکشاپ میں ملک کے مختلف حصوں سے تقریباً 60 مصنفین شریک ہیں۔ اس موقع پر یونیورسٹی میگزین الکلام کے خصوصی شمارہ کا رسم اجرا بھی عمل میں آیا۔ ڈاکٹر محمد مصطفی علی سروری' پی آر او و اسوسی ایٹ پروفیسر ایم سی جے و مدیر الکلام نے خصوصی شمارے کے بارے میں اظہار خیال کیا۔ افتتاحی اجلاس کے دوران ڈی ٹی ایل پی کی کارکردگی اور کامیابیوں پر مشتمل ایک مختصر ویڈیو کی بھی نمائش کی گئی۔

بعدازاں پروفیسر بی جے راؤ نے پروفیسر عین الحسن کے ہمراہ ہارون خان شیروانی مرکز مطالعاتِ دکن کی پہلی منزل پر واقع ڈی ٹی ایل پی کے احاطہ میں بی بی ایس (اردو) کے دفتر کا افتتاح انجام دیا۔

STANDARD POST, Mumbai 16-10-2024

MANUU launches BBS's Urdu Project

(Standard Post Bureau)

Hyderabad, Oct 15 : Maulana Azad National Urdu University (MANUU) today formally started the work to develop textbooks for higher education in Urdu language. Bhartiya Bhasha Samiti (BBS) an initiative of University Grants Commission (UGC) has assigned the task to MANUU.

University is organizing a two day workshop for authors on academic writing to develop textbooks. Addressing the inaugural session today Prof. B.J. Rao, V.C., University of Hyderabad lauded the important contribution being made by MANUU in promoting Urdu as a language of knowledge. Describing Urdu as a sweet language, he pointed out at the popularity and success of human resource development programmes and translation of Engineering Textbooks from AICTE undertaken by MANUU. Prof. Syed Ainul Hasan, V.C., MANUU and Nodal Officer for BBS (Urdu) in his presidential address advised the authors to adopt a direct approach to appeal the students.Prof. Suleman Siddiqui, former V.C., Osmania University who also served as first Registrar of MANUU, in his address spoke about the experiments and deliberations undertaken to prepare academic material in Urdu during the formative stages of the University. He suggested to prepare a pool of authors knowing Urdu, English and the concern subject.

Prof. Imtiyaz Hasnain (Dept. of Linguistics, AMU) in his address pointed out that UGC has undertaken this initiative because of New Education Policy 2020. NEP lays emphasis in providing education in mother tongue. NEP has formally recognized the multilingualism of Indian society, he remarked.

Earlier, Prof. M.K.M. Zafar, Director, Directorate of Translation, Translation Studies, Lexicography and Publications (DTTLP) who is also the coordinator of BBS Urdu, welcomed the guests and spoke about the workshop. He described the initiative to prepare textbooks in Indian languages as a blessing for Urdu medium students.

A special issue of University magazine Al-Kalam was also released on the occasion. Dr. Mohd. Mustafa Ali Sarwari, PRO and Associate Professor MCJ who is also the editor of the magazine spoke about the special issue. A short video film about the activities and achievements of DTTLP was also screened during the inaugural. Later, Prof. B.J. Rao inaugurated the office of BBS Urdu at DTTLP situated at the Center for Deccan Studies. Around 60 authors from various parts of India are attending the workshop.

Siyasi Ufuque 16-10-2024

اردو نصابی کُتب کی تیاری پر مانو میں یو جی سی کا دوروزہ ورکشاپ

حیدرآباد (پریس نوٹ) یونیورسٹی گرانٹس کمیشن (یو جی سی) کے تحت بھارتیہ بھاشا کمیٹی (بی بی ایس) کے زیر اہتمام مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی میں اعلیٰ تعلیم کے شعبہ میں اردو نصابی کتابوں کی تیاری کے لیے مصنفین کا دوروزہ ورکشاپ 15 اور 16/ اکتوبر 2024 کو منعقد ہوگا۔ پروفیسر محمد خالد مبشر الظفر، ڈائرکٹر، نظامت ترجمہ، مطالعات ترجمہ، لغت نویسی و اشاعت، مانو کوآرڈینیٹر بی بی ایس (اردو) کے بموجب افتتاحی اجلاس منگل کی صبح 11 بجے سنٹرل لائبریری آڈیٹوریم میں منعقد ہوگا۔ پروفیسر سید عین الحسن، وائس چانسلر، مانو اِس ورکشاپ کی صدارت کریں گے جب کہ پروفیسر بی۔ جے۔ راؤ وائس چانسلر، حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی اور ڈاکٹر ارچنا ٹھاکر، جوائنٹ سکریٹری، یو جی سی، مہمانانِ خصوصی ہوں گے۔ پروفیسر سلیمان صدیقی، سابق وائس چانسلر، عثمانیہ یونیورسٹی اور پروفیسر سید امتیاز حسنین، علیگڑھ مسلم یونیورسٹی مہمانانِ اعزازی کی حیثیت سے پروگرام میں شرکت کریں گے۔ دوروزہ ورکشاپ میں مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی کے بشمول دیگر جامعات کے تقریباً 60 مصنفین شرکت کریں گے۔

Siyasi Ufuque 16-10-2024

اردو میں نصابی کتب کی تیاری، مانو کی ایک تاریخی پیش رفت

بھارتیہ بھاشا سمیتی کے تحت مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کا افتتاح

حیدرآباد، 15/اکتوبر (پریس نوٹ)۔ مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی، آل انڈیا کونسل آف ٹیکنیکل ایجوکیشن (اے آئی سی ٹی ای) کے لیے اردو میں انجینئرنگ کی کتابوں کی تیاری کے ذریعے ہندوستان میں ایک تاریخ رقم کر رہی ہے۔ ان خیالات کا اظہار پروفیسر بی جے راؤ، وائس چانسلر، حیدرآباد، سنٹرل یونیورسٹی نے کیا۔ وہ آج اردو یونیورسٹی میں یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کی شروع کردہ بھارتیہ بھاشا سمیتی' (بی بی ایس) کے تحت اعلیٰ تعلیم کے شعبے میں اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کے افتتاحی اجلاس میں بحیثیت مہمانِ خصوصی موجود تھے۔ جبکہ اس پروگرام کی صدارت پروفیسر سید عین الحسن، وائس چانسلر، اردو یونیورسٹی نے کی۔ پروفیسر سلیمان صدیقی، سابق وائس چانسلر، عثمانیہ یونیورسٹی اور پروفیسر سید امتیاز حسنین (اے ایم یو) نے مہمانانِ اعزازی کی حیثیت سے شرکت کی۔ پروفیسر محمد خالد مبشر الظفر ' ڈائرکٹر' نظامت ترجمہ' مطالعاتِ ترجمہ' لغت نویسی و اشاعت نے جو بی

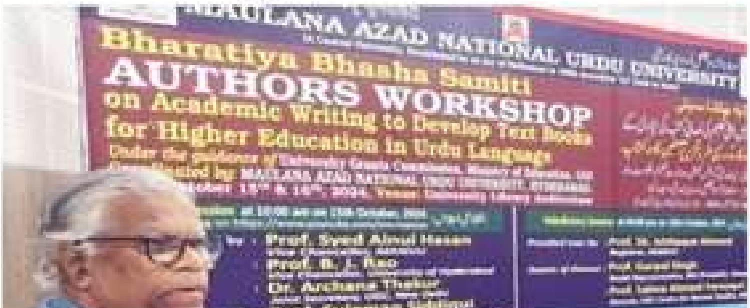

بی ایس کے اردو کوآرڈی نیٹر بھی ہیں' مہمانوں کا استقبال کیا۔ یو جی سی نے بی بی ایس کے تحت اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مانو کو نوڈل یونیورسٹی مقرر کیا ہے' پروفیسر سید عین الحسن اس پراجیکٹ کے نوڈل آفیسر ہیں۔ پروفیسر راؤ جو کہ حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر کے علاوہ بھارتیہ بھاشا سمیتی کے رکن بھی ہیں نے سلسلہ تقریر جاری رکھتے ہوئے کہا کہ نصابی کتابوں کی تیاری آسان کام نہیں ہے لیکن یہ مصنف کی ذمہ داری ہے کہ وہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی پیدا کرے۔

Siyasi Ufuque 16-10-2024

اردو یونیورسٹی اور مہاتما گاندھی کاشی ودیا پیٹھ کے درمیان یادداشت مفاہمت

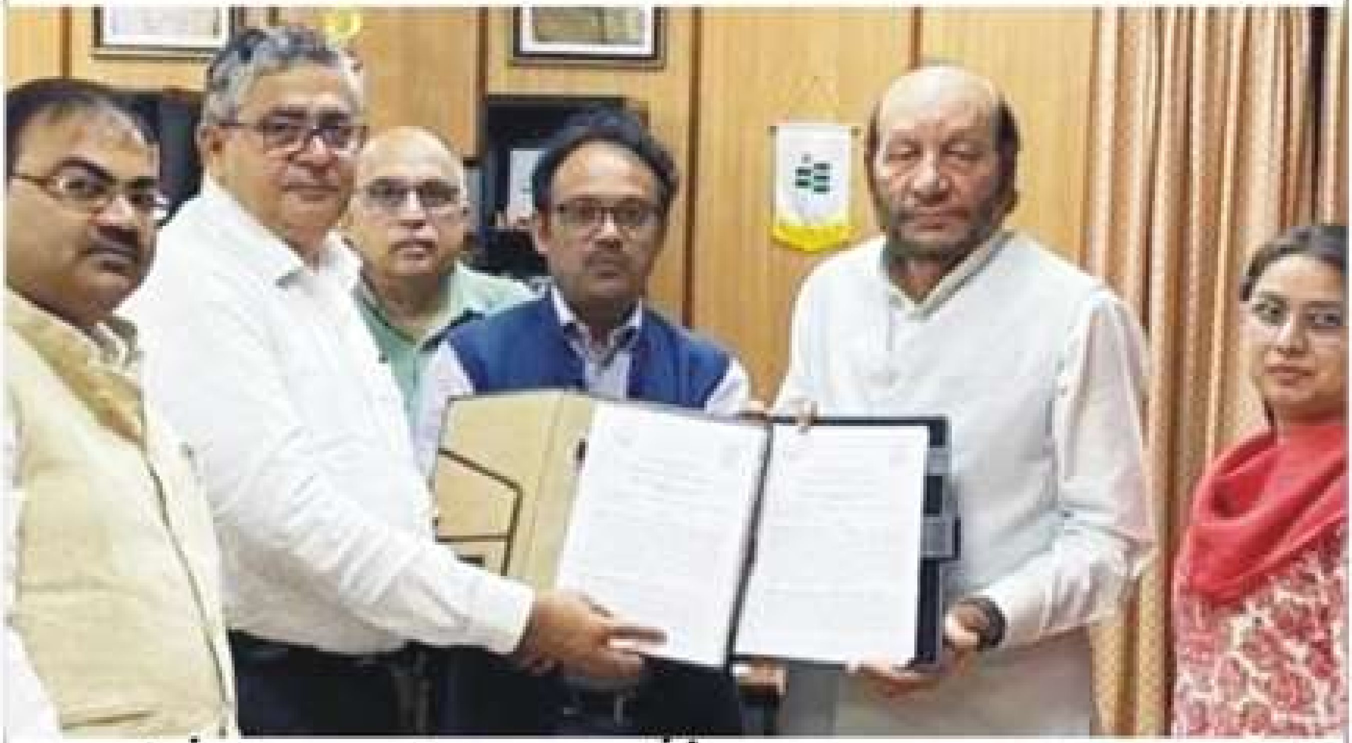

حیدرآباد، (پریس نوٹ): مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی نے آج وارانسی کی مہاتما گاندھی کاشی ودیا پیٹھ (ایم جی کے وی پی) کے ساتھ باہمی یادداشت مفاہمت پر دستخط کیے ہیں۔ اس مفاہمتی یادداشت پر دستخط کی تقریب وی سی آفس میں منعقد ہوئی جس میں مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی کی جانب سے وائس چانسلر پروفیسر سید عین الحسن اور ایم جی کے وی پی کی جانب سے وائس چانسلر پروفیسر آنند کمار تیاگی نے اس مفاہمت کے معاہدے پر دستخط کیے۔ یادداشت مفاہمت کے تحت دونوں تعلیمی اداروں میں ماہرین تعلیم، تحقیق، مشاورت، تربیت، معلومات کی ترسیل، اساتذہ کا فروغ وطلبہ کا آپسی تبادلہ، مشترکہ تحقیقی پروگراموں کے انعقاد جیسے امور میں تعاون کیا جائے گا۔ اس معاہدے کے تحت مختلف مشترکہ یو جی و پی جی کورسز کا آغاز، تحقیقی پراجیکٹس میں اشتراک، تحقیقی وسائل سے استفادہ، ایک دوسرے کے پاس موجود خصوصی سہولیات وانفراسٹرکچر سے استفادہ، مشترکہ سمینار و کانفرنسوں کا انعقاد شامل ہے۔ اس مفاہمتی معاہدے کی مدت پانچ برس ہے۔ اس موقع پر پروفیسر اشتیاق احمد، رجسٹرار کے علاوہ پروفیسر سید نجم الحسن، پروفیسر سلمیٰ احمد فاروقی، پروفیسر عبدالواحد، پروفیسر محمد فریاد اور پروفیسر سنیم فاطمہ بھی موجود تھیں۔

Uqwaab, 16-10-2024

فاصلاتی کورسز میں داخلے۔ تاریخ میں توسیع

حیدرآباد، 15 اکتوبر (پریس نوٹ) مرکز برائے فاصلاتی و آن لائن تعلیم، مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی میں جاری داخلوں کی آخری تاریخ میں 10 نومبر 2024 تک توسیع کی گئی ہے۔ قبل ازیں 14 نومبر تک فیس کی ادائیگی کی جاسکتی ہے۔ پروفیسر محمد رضا اللہ خان، ڈائرکٹر مرکز کے بموجب تعلیمی سیشن 2024-25 کے لیے فاصلاتی طریقہ تعلیم کے پروگراموں کے لیے پراسپکٹس اور آن لائن درخواست فارم ویب سائٹ dde /manuu.edu.in داخلہ پورٹل manuuadmission.samarth.edu.in پر دستیاب ہیں۔ فاصلاتی کورسز میں ایم اے (اردو، ہندی، انگریزی، عربی، تاریخ، اسلامک اسٹڈیز) کے علاوہ بی اے، بی کام، بی ایس سی (لائف سائنسز)، بی ایس سی (فزیکل سائنسز)، ڈپلوما ان (جرنلزم اینڈ ماس کمیونیکیشن، ٹیچ انگلش، ابتدائی بچپن کی نگہداشت و تعلیم، اسکول کی قیادت و انتظام اور عملی انگلش)، سرٹیفکیٹ کورس (اہلیت اردو بذریعہ انگریزی اور فنکشنل انگلش) شامل ہیں۔ امیدوار مزید تفصیلات کے لیے طلبہ رہبری یونٹ ہیلپ لائن 040-23008463 اور 040-23120600 (2208&2207) پر رابطہ کرسکتے ہیں۔ ان کے علاوہ مزید معلومات نئی دہلی، کولکاتا، بنگلورو، ممبئی، پٹنہ، دربھنگہ، سری نگر، رانچی، امراوتی، حیدرآباد، بھوپال، نوح، وارانسی اور لکھنؤ میں واقع یونیورسٹی کے ریجنل / سب ریجنل سنٹرس سے بھی حاصل کرسکتے ہیں۔

Uqwaab, 16-10-2024

اردو زبان کے تحفظ اور فروغ کے لیے رسم الخط کا تحفظ ضروری۔ پروفیسر کوثر مظہری

حیدرآباد۔ 15 اکتوبر (پریس نوٹ) "زبان کے تحفظ اور اس کے فروغ کے لیے ضروری ہے کہ اس کے رسم الخط کا تحفظ کیا جائے۔ جہاں بھی اردو رسم الخط کے ساتھ ناانصافی ہو رہی ہو اس کے خلاف بغیر کسی مصلحت پسندی کے آواز اٹھانی چاہیے۔ رسم الخط کے بغیر زبان نامکمل ہے۔ اردو سے ناواقف بچوں یا بڑوں کو اردو سکھانا بھی ضروری ہے۔ اردو کے ساتھ ساتھ دیگر زبانوں خصوصاً انگریزی میں استعداد پیدا کرنی ضروری ہے۔" ان خیالات کا اظہار جامعہ ملیہ اسلامیہ کے پروفیسر کوثر مظہری نے شعبۂ اردو، مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی میں مصنف سے ملاقات پروگرام میں کیا۔ انھوں نے مانو سے اپنے تعلق کا ذکر کرتے ہوئے کہا کہ حیدرآباد آکر میں اور مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی آکر مجھے تو سرشاری کا احساس ہوتا ہے۔ انھوں نے طلبہ سے خطاب کرتے ہوئے کہا کہ وہ مسلسل لکھنے کی مشق کریں۔ اس کا آغاز بی اے کے زمانے سے کرنا چاہیے۔ طلبہ کو چاہیے کہ خوب مطالعہ کریں اور جو باتیں سمجھ میں نہ آئیں ان سے متعلق اساتذہ سے سوال کریں۔ انگریزی اور دیگر زبانوں کے ادب کا بھی خوب مطالعہ کریں۔ مشرقی اور مغربی شعریات سے واقفیت بھی ضروری ہے۔ اساتذہ کی ذمہ داری ہے کہ طلبہ کی تحریروں کی اصلاح کریں اور ان کی حوصلہ افزائی کریں۔ پروفیسر کوثر مظہری نے آخر میں اپنا کلام بھی پیش کیا جسے بے حد پسند کیا گیا۔ پروگرام کا آغاز صدر شعبۂ اردو پروفیسر شمس الہدیٰ دریابادی کی خیر مقدمی تقریر سے ہوا۔ انھوں نے کہا کہ ہماری ذمہ داری ہے کہ ہم اپنی زبان کے فروغ کے لیے صدق دل سے کام کریں۔ ان کے مطابق سماجی رابطے کی سائٹس پر بھی اردو کو فروغ دینے کی ضرورت ہے۔ ڈاکٹر فیروز عالم اسوسی ایٹ پروفیسر شعبۂ اردو نے مہمان کا تعارف پیش کیا۔ ڈاکٹر ابو شہیم خاں اسوسی ایٹ پروفیسر کے اظہار تشکر پر جلسے کا اختتام ہوا۔ پروگرام کے آخر میں طلبہ و طالبات نے مہمان سے زبان، ادب اور عصری مسائل سے متعلق سوالات کیے جن کا انھوں نے تفصیلی جواب دیا۔

Urdu Action, 16-10-2024

اردو میں نصابی کتب کی تیاری، مانو کی ایک تاریخی پیش رفت: پروفیسر بی جے راؤ

بھارتیہ بھاشا سمیتی کے تحت مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کا افتتاح

حیدرآباد، 15/ اکتوبر (پریس نوٹ)۔ مولانا آزاد نیشنل اردو یونیورسٹی، آل انڈیا کونسل آف ٹیکنیکل ایجوکیشن (اے آئی سی ٹی ای) کے لیے اردو میں انجینئرنگ کی کتابوں کی تیاری کے ذریعے ہندوستان میں ایک تاریخ رقم کررہی ہے۔ ان خیالات کا اظہار پروفیسر بی جے راؤ، وائس چانسلر، حیدرآباد، سنٹرل یونیورسٹی نے کیا۔ وہ آج اردو یونیورسٹی میں یونیورسٹی گرانٹس کمیشن کی شروع کردہ بھارتیہ بھاشا سمیتی (بی بی ایس) کے تحت اعلیٰ تعلیم کے شعبے میں اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مصنفین کے دو روزہ ورکشاپ کے افتتاحی اجلاس میں بحیثیت مہمان خصوصی موجود تھے۔ جبکہ اس پروگرام کی صدارت پروفیسر سید عین الحسن، وائس چانسلر، اردو یونیورسٹی نے کی۔ پروفیسر سلیمان صدیقی، سابق وائس چانسلر، عثمانیہ یونیورسٹی اور پروفیسر سید امتیاز حسنین (اے ایم یو) نے مہمانان اعزازی کی حیثیت سے شرکت کی۔ پروفیسر محمد خالد مبشر الظفر، ڈائرکٹر' نظامت ترجمہ' مطالعات ترجمہ' لغت نویسی و اشاعت نے جو بی بی ایس کے اردو کوآرڈی نیٹر بھی ہیں' مہمانوں کا استقبال کیا۔ یو جی سی نے بی بی ایس کے تحت اردو نصابی کتب کی تیاری کے لیے مانو کو نوڈل یونیورسٹی مقرر کیا ہے' پروفیسر سید عین الحسن اس پراجیکٹ کے نوڈل آفیسر ہیں۔ پروفیسر راؤ جو کہ حیدرآباد سنٹرل یونیورسٹی کے وائس چانسلر کے علاوہ بھارتیہ بھاشا سمیتی کے رکن بھی ہیں نے سلسلہ تقریر جاری رکھتے ہوئے کہا کہ نصابی کتابوں کی تیاری آسان کام نہیں ہے لیکن یہ مصنف کی ذمہ داری ہے کہ وہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی پیدا کرے۔ انہوں نے کہا کہ روایتی سائنسی علوم کی کتابوں کی تیاری کے ذریعہ اردو یونیورسٹی، اقلیتی طلبہ کے لیے ایک کارخیر انجام دے سکتی ہے۔ کیونکہ یہ طلبہ صدیوں سے ان علوم سے محروم رہے ہیں۔ انگریزی زبان میں طلبہ کی ذہن سازی مشکل ہے، کیونکہ مادر رحم میں انسانی فکر کا آغاز مادری زبان ہی میں ہوتا ہے۔

پروفیسر عین الحسن نے اپنی صدارتی تقریر میں مصنفین کو مشورہ دیا کہ وہ راست طریقہ کار اختیار کرتے ہوئے پیچیدگی سے گریز کریں۔ کتاب پڑھنے والے کو یہ محسوس ہو کہ کتاب اسی کے لیے لکھی گئی ہے۔ علم کی منتقلی ناگزیر امر ہے۔ پروفیسر عین الحسن نے جو ایک کہنہ مشق شاعر بھی ہیں' اس موقع کی مناسبت سے چند شعر بھی سامعین کی نذر کیے جنہیں کافی پسند کیا گیا۔

قلم میں اپنے رنگ شباب رکھتے ہیں
سوال آنے سے پہلے جواب رکھتے ہیں
مگر وہ لوگ جو مکتب میں دیر سے پہنچے
گھڑی کلائی کی اب تک خراب رکھتے ہیں
بتارہی ہے یہ تہذیب شیروانی کی
جہاں پہ دل ہے وہیں پہ گلاب رکھتے ہیں

قبل ازیں مانو کے اولین رجسٹرار پروفیسر سلیمان صدیقی نے افتتاحی اجلاس سے خطاب کرتے ہوئے اکتسابی مواد کی تیاری کے لیے اردو یونیورسٹی میں کیے گئے ابتدائی تجربات پر روشنی ڈالی۔ انہوں نے نصابی کتابوں کی تیاری کے لیے اساتذہ کے ناموں کی فہرست تیار کرنے کا مشورہ دیا اور کہا کہ انگریزی، اردو اور متعلقہ مضمون میں مہارت کا ایک ساتھ ملنا مشکل ہے۔ پروفیسر سلیمان صدیقی نے کہا کہ کتابوں میں طالب علم کی دلچسپی کو برقرار رکھنے کے لیے حقیقی مواد کا اعلیٰ معیار اور عمدہ اسلوب ضروری ہے۔ پروفیسر امتیاز حسنین (شعبہ لسانیات' علی گڑھ مسلم یونیورسٹی) نے نشاندہی کی کہ یونیورسٹی گرانٹس کمیشن نے نئی قومی تعلیمی پالیسی 2020 کے تحت بی بی ایس کا قیام عمل میں لاتے ہوئے 22 ہندوستانی زبانوں میں اعلیٰ تعلیمی مواد کی تیاری کا کام شروع کیا ہے۔ اس پالیسی کے ذریعہ ہندوستان کی ہمہ لسانیت کو باضابطہ طور پر تسلیم کیا گیا ہے۔ انہوں نے مصنفین کو مشورہ دیا کہ مواد کی تیاری ترجمہ کی بنیاد پر نہیں بلکہ مشاہدہ اور تجربہ کی بنیاد پر کریں۔ پروفیسر خالد مبشر الظفر نے اپنے خطبہ استقبالیہ میں اردو کو علمی زبان بنانے حکومت ہند کے اقدام کا خیر مقدم کیا اور کہا کہ تعلیمی دنیا میں اردو کے لیے یہ ایک نئی پہل ہے۔ ڈی ٹی ٹی ایل پی کے ڈاکٹر محمد اسلم پرویز (مترجم) نے کارروائی چلائی اور ڈاکٹر ظفر گلزار (سیکشن آفیسر) نے شکریہ ادا کیا۔ ڈاکٹر صالح امین کی تلاوت سے افتتاحی اجلاس کا آغاز ہوا۔ دو روزہ ورکشاپ میں ملک کے مختلف حصوں سے تقریباً 60 مصنفین شریک ہیں۔

اس موقع پر یونیورسٹی میگزین الکلام کے خصوصی شمارہ کا رسم اجرا بھی عمل میں آیا۔ ڈاکٹر محمد مصطفی علی سروری' پی آر او و اسوسی ایٹ پروفیسر ایم سی جے و مدیر الکلام نے خصوصی شمارے کے بارے میں اظہار خیال کیا۔ افتتاحی اجلاس کے دوران ڈی ٹی ٹی ایل پی کی کارکردگی اور کامیابیوں پر مشتمل ایک مختصر ویڈیو کی بھی نمائش کی گئی۔ بعد ازاں پروفیسر بی جے راؤ نے پروفیسر عین الحسن کے ہمراہ ہارون خان شیروانی مرکز مطالعات دکن کی پہلی منزل پر واقع ڈی ٹی ٹی ایل پی کے احاطہ میں بی بی ایس (اردو) کے دفتر کا افتتاح انجام دیا۔

UNI
BREVITY ACCURACY SPEED
United News of India
India's Multi Lingual News Agency
Wednesday, Oct 16 2024 | Time 10:40 Hrs(IST)

manuu-launches-initiative-to-develop-higher-education-textbooks-in-urdu News in Hindi -1 News Headlines Found

MANUU launches initiative to develop higher education textbooks in Urdu

Hyderabad, Oct 15 (UNI) Maulana Azad National Urdu University (MANUU) officially launched its initiative to develop higher education textbooks in Urdu on Tuesday.

#MANUU launches initiative to develop higher education textbooks in Urdu

Manuu Launches Initiative To Develop Higher Education Textbooks In Urdu- Latest Hindi News Headlines On Manuu Launches Initiative To Develop Higher Education Textbooks In Urdu. Stay Updated With Recent Developments & News Stories About Manuu Launches Initiative To Develop Higher Education Textbooks In Urdu

Advertisement